रजि.: 56988

अहिंसा विश्व भारती

अहिंसा भवन , 37/29 ओल्ड राजेन्द्र नगर, नई दिल्ली 110060
टेलिफैक्स : 011–25732317 मो0 9313833222, 9811059698
Email: acharya@ahimsavishwabharti.org, www: ahimsavishwabharti.org

प्रधानमंत्री निवास पर भगवान महावीर जन्म जयन्ती पर गरिमामय कार्यक्रम
अहिंसा एवं शान्ति से ही विश्व कल्याण– प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह
भगवान महावीर की शिक्षाओं से वैश्विक समस्याओं का समाधान – आचार्य लोकेश

नई दिल्लीः 5 अप्रैल 2012, **प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह** ने कहा कि परमाणु खतरों और आतंकवाद से जूझ रही दुनिया को भगवान महावीर के अहिंसा और शांति के दर्शन से ही बचाया जा सकता है। उनका मानना है कि दुनिया को टकराव से बचाने के लिए महावीर के निःशस्त्रीकरण के रास्ते को ही चुनना होगा।

प्रधानमंत्री 7 रेसकोर्स पर अहिंसा विश्व भारती के संस्थापक एवं प्रख्यात जैनाचार्य डॉ. लोकेश जी के सान्निध्य में आयोजित भगवान महावीर के 2611 वें जन्म जयन्ती समारोह को सम्बोधित कर रहे थे उन्होंने कहा कि भगवान महावीर ने मानव जाति को अनेकांतवाद का संदेश दिया था। यही कारण है कि हमारे देश में आपसी सहनशीलता और मजहबी भाईचारे की एक अटूट परम्परा रही है। अनेकता और बहुलता की इज्जत करना हमारी तहजीब और सभ्यता का एक बहुत बड़ा हिस्सा हैं हम सबको इस विरासत को मजबूत तौर पर बनाए रखना है। मुझे यह कहते हुए खुशी है आचार्य लोकेश जी ने उसी मार्ग पर चलते हुए कई अवसरों पर विभिन्न समुदायों के बीच तनाव कम करने में एक अहम भूमिका निभाई है। इसीलिए भारत सरकार ने उन्हें ''राष्ट्रीय साम्प्रदायिक सद्भाव पुरस्कार 2010' से सम्मानित किया। उनकी शिक्षाओं पर चलने वाला जैन समाज बहुत ही शान्ति प्रिय समाज है तथा समाज एवं राष्ट्र के विकास में जैन समाज का महत्त्वपूर्ण योगदान है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि भगवान महावीर जी ने धर्म को अध्यात्म से जोड़ा था, मेरा मानना है कि धर्म निरपेक्षता, धर्मविहीनता नहीं, बल्कि आध्यात्मिकता है। कोई व्यक्ति जितना धार्मिक होगा उतना ही धर्म निरपेक्ष भी होगा। हमें यही क्षमता आगे आने वाली पीढ़ी को देनी है। कोई देश तभी कमजोर होता है जब वह अन्य विचारधाराओं के साथ और आपस में विनिमय छोड़ देता है। भारत ने बाहरी विचारों को रोकने के लिए अपने दरवाजे भी बन्द नहीं किये बल्कि हमेशा उनका स्वागत किया है। सहिष्णुता की इसी प्राचीन परम्परा की वजह से हम अनेक प्रकार से विभिन्न होने के बावजूद एक हैं हमें ऐसी प्रवृत्तियों से सतर्क और सजग रहने की आवश्यकता है जो देश की एकता को चुनौती देती है तथा विकास की राह में रोड़े अटकाती है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि साम्प्रदायिक और उग्रवाद हमारी एकता और अखण्डता के लिए बहुत बड़ी चुनौती बन गए हैं। हमारे समाज के कुछ गुमराह लोग इनको बढ़ावा देते हैं, मगर इससे हमारे पूरे समाज और देश की बदनामी होती है। इस चुनौती का सामना करने के लिए हमें मिलकर काम करना होगा। प्रधानमंत्री ने इस अवसर पर **अहिंसा विश्व भारती** की पत्रिका '**आहवान**' का प्रथम अंक जारी करते हुए जैन समाज को हार्दिक बधाई दी।

भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय साम्प्रदायिक सद्भाव पुरस्कार से सम्मानित प्रख्यात **जैनाचार्य डॉ. लोकेशमुनि** ने कहा कि भगवान महावीर की शिक्षाओं में वैश्विक समस्याओं का समाधान मौजूद है। उनके बताये मार्ग पर चलने से आतंकवाद, ग्लोबल वार्मिंग, भ्रष्टाचार, गरीबी नक्सलवाद, जनसंख्या विस्फोट एवं कन्या भ्रूण–हत्या जैसी समस्याओं का जड़ से समाधान हो सकता है। उन्होंने कहा कि अहिंसा, शान्ति और सदभावना के मार्ग पर चलकर ही स्वस्थ, सुखी और समृद्ध समाज का निर्माण हो सकता है।

प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह को इस अवसर पर आचार्य डॉ. लोकेश ने भगवान महावीर का भव्य चित्र भेंट किया। केन्द्रीयमंत्री **श्री श्रीप्रकाश जायसवाल** ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि भगवान महावीर का दर्शन तत्कालीन समय में जितना प्रासंगिक था उससे भी अधिक वर्तमान समय में प्रासंगिक है। उन्होंने इस अवसर पर जैन समाज को हार्दिक बधायी दी।

(पंकज विद्यार्थी)
कोर्डिनेटर, अहिंसा विश्व भारती
मो. 9717809161

(केनु अग्रवाल)
मीडिया प्रभारी, अहिंसा विश्व भारती
मो.: 9811025332